e-paper : www.dailynewsactivist.com लखनऊ, शनिवार, 19 जनवरी 2019, पौष मास शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, संवत् 2075 विक्रमी वर्ष-12, अंक-96, पृष्ठ-12, मूल्य- ₹ 2.00, नगर संस्करण

शब्द शब्द संघर्ष

DNA डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

RNI NO.: UPHIN/2007/41982 संस्करण : लखनऊ राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक website : www.dnahindi.com डाक पंजीयन : एसएसपी/एल.डब्लू./एन.पी.-358/2016-18

इंजीनियरिंग शिक्षकों और छात्रों की टीम कुंभ पर करेगी शोध

- एकेटीयू के कुलपति और प्राविधिक शिक्षा मंत्री से भी ली जाएगी सहमति

डेली न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज में चल रहे कुंभ महोत्सव के वैज्ञानिक पहलुओं पर डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्रवाविधक विश्वविद्यालय एकेटीयू से संबद्ध एसएमएस इंजीनियरिंग कॉलेज शिक्षक और छात्र शोध करेंगे। इसके लिए एक टीम भी गठित की गयी है। शोध करने वाली टीम का मुख्य उद्देश्य है कि करोड़ों लोगों के एक अनोखे-समागम, जो आस्था, विश्वास, भक्ति व आध्यात्म के कारणों से होता है, के वैज्ञानिक पक्ष की अधिक से अधिक जानकारियों को हासिल किया जाये। इस बारे में जानकारी देते हुए पर्यावरणविद, वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष व एसएमएस कॉलेज के महानिदेशक-प्रो. भरत राज सिंह ने बताया कि लोगों की इस आस्था, विश्वास, भक्ति व आध्यात्म के पीछे कोई न कोई वैज्ञानिक कारण अवश्य छिपा है, जिसमें ब्रह्मांड के पिंडो की गति व उनके आकर्षण के प्रभाव तथा सूर्य के उत्तरायण होने के संक्रमण के कारण अवश्य ही धरती के चिंतक प्राणियों अर्थात मनुष्यों में कोई न कोई सोच में खिचाव होता है, जिससे उनमें आस्था व विश्वास जगता है और वे यहां इतनी बड़ी संख्या में 'त्रिवेणी संगम' पर स्नान के लिये एकत्रित होते है। उनका यह मानना है कि जब पृथ्वी पर उपलब्ध समुद्री सतह के नजदीक चंद्रमा दिन-रात के 24 घंटे में एक बार गुजरती है, तो ज्वार-भाटा आता है तथा पृथ्वी से जब राकेट चंद्रमा या अन्य ग्रहों पर भेजे जाते है, तो पृथ्वी की कक्षा से उस ग्रह के कक्षा में प्रवेश के समय बूस्टर का उपयोग करते है, जिससे वह संक्रमण की स्थिति से बाहर निकल सके। उन्होंने बताया कि कॉलेज में वर्ष 2010 से शोध कार्य पर विशेष बल दिया जा रहा है।